

ओ मैया तेरे घाट में हो रही जय-जयकार
ओ रेवा तेरे घाट में हो रही जय-जयकार
चरणों से-तेरे मुझे प्यार मिला....

राजा पुरुबा जब तप कीन्हा
मुँह-मांगा वर-शिव ने दीन्हा
रेवा को नया अवतार मिला-

ओ मैया तेरे-----

गंगा सम मैं भी कहलाऊँ
हँस-हँस सबको पार लगाऊँ
वर तीनों से हँस के मिला

ओ मैया तेरे-----

जब धरती पे रेवा आई
पाप विनाशनी ये कहलाई
भव तरने का तुझे मौका मिला

ओ मैया तेरे-----

अमरकंठ उद्गम कहलाया
सौम्य रूप मूर्ति ने दिखलाया
मौका "श्रीबाबाश्री" बड़े भाग मिला

ओ मैया तेरे-----